मध्य प्रदेश विधान सभा में राज्यपाल के अभिभाषण में बच्चों से सम्बंधित बिन्दुयों एक विश्लेषण

चाइल्ड राइट्स ऑब्जर्वेटरी मध्य प्रदेश का उद्देश य बच्चो के अधिकारों पर पैरवी और उनसे सम्बंधित कानूनो और नीतियों की समीक्षा और अनुसन्धान करना है। क्रोम्प समय समय पर बच्चो सम्बधित नीतियों और योजनाओ के क्रियान्वयन पर राज्य सरकार को सुझा व भी देती है। स्थानीय स्तर पर 25 ज़िलों में जिला बाल अधिकार मंचो के माध्यम से बच्चो के मुद्दो पर पैरवी के साथ बच्चो के अधिकारों के उलंघन की घटनो पर निगरानी रखती है। क्रोम्प द्वारा मध्य प्रदेश के राज्यपाल द्वारा गत और बर्तमान विधान सभा में दिये गए बजट अभिभाषण के दौरान बच्चों से सम्बंधित बिन्दुओ का विश्लेषण किया है।

बिगत बर्ष राज्यपाल द्वारा दिए गए अभिभाषण में बच्चों से सम्बंधित 23 बिंदु थे जो कुल अभिभाषण के बिन्दुओ के 14.94 प्रतिशत थे वहीं इस बर्ष दिए गए अभिभाषण में बच्चों सम्बंधित कुल 32 बिंदु है जो की कुल बिन्दुओं के 22.38 प्रतिशत हैं । राज्यपाल के अभिभाषण में बिगत बर्ष की तुलना में बच्चों से संबंधित अधिक बिंदु शामिल हैं।(तालिका -1)

तालिका 1- महामहिम के अभिभाषण में विगत और इस बर्ष में बच्चों से सम्बंधित बिन्दुओ पर चर्चा (संख्या और प्रतिशत)

बर्ष	अभिभाषण में कुल बिंदु	अभिभाषण में बच्चों सम्बंधित कुल बिंदु	अभिभाषण में बच्चों सम्बंधित कुल बिन्दुओ का प्रतिशत
23 फरवरी 2016	154	23	14.94
21 फरवरी 2017	143	32	22.38

शिक्षा - बर्ष 2016 के अभिभाषण में बच्चों के स्कूली शिक्षा शिक्षा सम्बंधित 6.50 प्रतिशत बिंदु शामिल थे जिसमे मुख्यत:होस्टल,शिक्षाकी गुणबत्ता,बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन,निःशुल्क साईकिल और पुष्तक वितरण, स्कूलों से अतिक्रमण हटना और कक्षा 9-10 के बच्चों को व्यवसायिक शिक्षा जैसे बिंदु शामिल थे । इस बर्ष महामहिम जी अपने ने अभिभाषण अपने में स्कूली शिक्षा से सम्बंधित 17.48 प्रतिशत बिन्दुओ को शामिल किया गया जिसमे हॉस्टल, छात्रवृत्ति, प्रोत्साहन राशी,निशुल्क सायकिल,लेपटाप और पुस्तक वितरण,शाला उन्नयन और शिक्षा ऋण बिंदु थे। (ग्राफ -1)

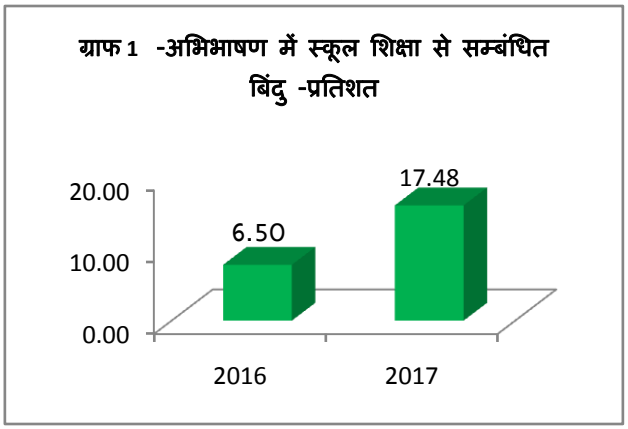

पोषण- बर्ष 2016 के अभिभाषण में महामहिम ने पोषण स्तर में सुधार के लिए कार्यक्रम के साथ प्रदेश के 75 हजार कुपोषित बच्चों का उत्तरदायित्व शासकीय सेवकों,जनप्रतिनिधियों,ओद्योगिक घरानों को देने की बात कही थी साथ ही आगनबाड़ी में दूध बितरण की बात कही थी इस प्रकार बर्ष 2016 के अभिभाषण में पोषण सम्बंधित 3.90 प्रतिशत बिंदु शामिल थे । इस बर्ष महामहींम ने अपने अभिभाषण में पोषण से सम्बंधित महज 2.10 प्रतिशत बिन्दुओ को शामिल किया जिसमे मुख्यत:बच्चो के कुपोषण, आगनबाड़ी केंद्र की स्थापना और इनमे पेयजल की व्यवस्था आदि थे।

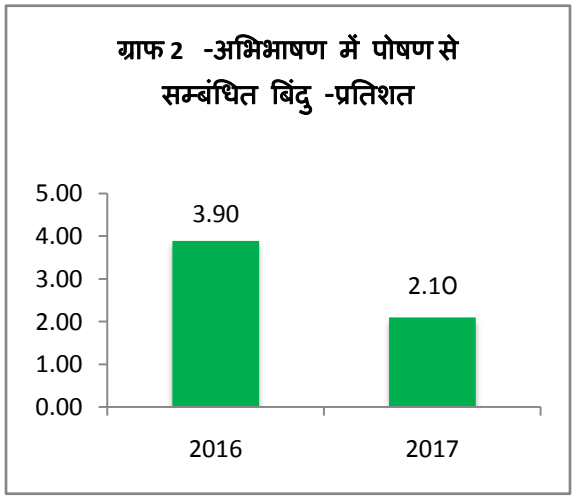

स्वास्थ- बर्ष 2016 के अभिभाषण में महामहिम ने अभिभाषण में कुल बिन्दुओ में से बच्चों के स्वास्थ से संबधित 3.25 प्रतिशत बिन्दुओ को शामिल किया था जिसमे शिशु मृत्यु दर और बाल मृत्यु दर में गिरावट की बात कही थी साथ ही NRC में कुपोषित बच्चों का उपचार,किशोर बालिकाओं के लिए शैक्षणिक संस्थाओं,होस्टल,और सार्वजानिक स्थलों पर सेनिटरी नेपकिन बेन्डिंग मशीन और बच्चों के टीकाकरण की चर्चा अपने अभिभाषण में की थी महामहीम ने इस बर्ष के अभिभाषण में बच्चों के स्वास्थ से सम्बंधित 1.40 प्रतिशत बिन्दुओ को शामिल किया जिसमे मुख्यत:बाल मृत्यु दर और किशोरियों में एनीमिया से सम्बंधित बिंदु रहे।(**ग्राफ 3**)

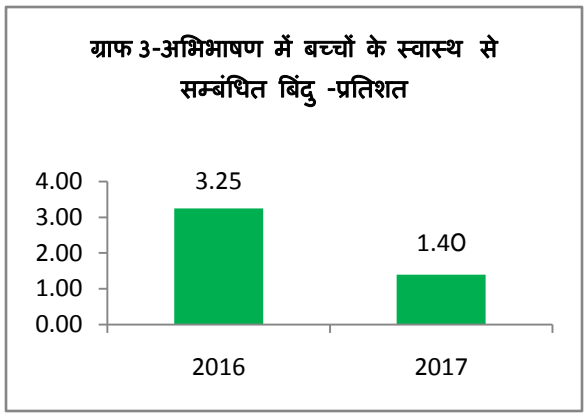

सुरक्षा - बर्ष 2016 के अभिभाषण में महामहिम ने बच्चों की सुरक्षा से सम्बंधित 1.30 प्रतिशत बिन्दुयो को शामिल किया जिसमे बाल विबाह रोकथाम और जेंडर समानता के लिए क्रियान्वयित योजना के लाभार्थियों की जानकारी अपने अभिभाषण में दी वहीं बाल सुरक्षा से सम्बंधित 1.40 प्रतिशत बिन्दुओ को महामहीम ने अपने अभिभाषण में शामिल किया।

निष्कर्ष –बिगत सत्र की तुलना में इस विधान सभा सत्र में महामहिम ने अपने अभिभाषण में बच्चों से सम्बंधित अधिक बिन्दुओ जिसमे स्कूली शिक्षा ,स्वास्थ, पोषण और बाल सुरक्षा को शामिल किया । बिगत बर्ष की तुलना में अभिभाषण में शिक्षा से सम्बंधित बिन्दुयो को छोड़कर वाकी सभी विषयों जिसमे स्वास्थ, सुरक्षा और पोषण थे इनमे कम जानकारी दी अथबा इन विषयों में अभिभाषण के बिन्दुओं में गिरावट दर्ज की गयी । जबकि प्रदेश में स्वास्थ, सुरक्षा और पोषण के क्षेत्रों में गंभीर चुनोतिया हैं । महामहिम के अभिभाषण में बाल मजदूरी ,बाल हिंसा,कार्पोरल पनिशमेंट ,शिक्षा की गुणबत्ता ,शिक्षा के अधिकार के क्रियान्वयन के अलावा अन्य बच्चो सम्बंधित मुद्दे भी शामिल हो सकते थे , इसके साथ ही अभिभाषण प्रदेश में बच्चो के अधिकारों की जमीनी हकीकत के तथ्य भी उपेक्षित रहे।